

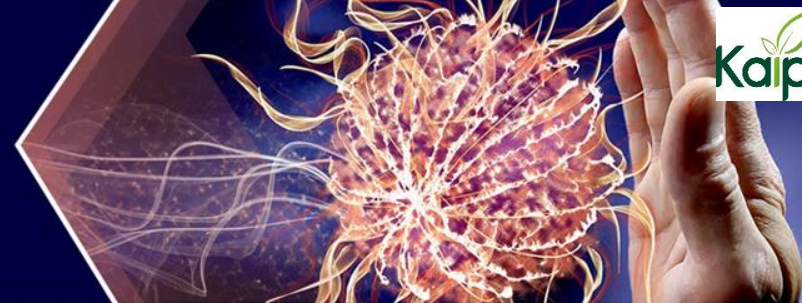
इम्युनीर

अपनी इम्युनिटी को बढ़ाएं



एक आयुर्वेदिक प्रोप्रायटरी मेडिसिन

प्रतिरक्षा प्रणाली

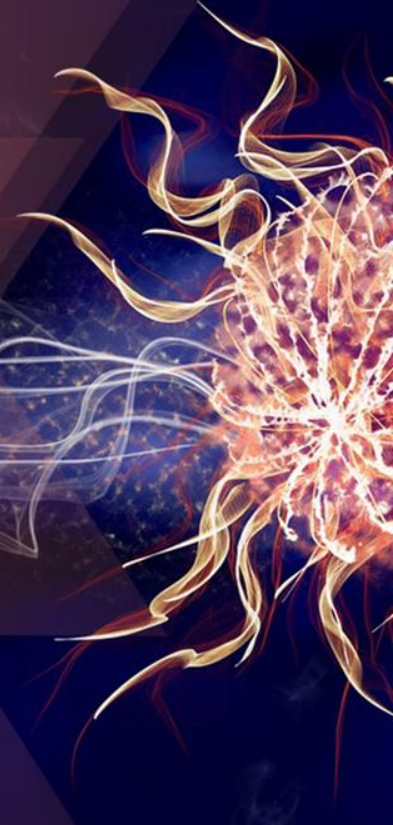


आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली रोग पैदा करने वाले सूक्ष्मजीवों के खिलाफ आपका बचाव करने का काम करती है। लेकिन कभी-कभी यह विफल यानि फेल हो जाता है: एक रोगाणु सफलतापूर्वक आक्रमण करता है और आपको बीमार बनाता है।

क्या इस प्रक्रिया में कुछ बदला जा सकता है और क्या अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाना संभव है?

COVID 19 संकट के दौरान स्वयं की देखभाल के लिए प्रतिरक्षा बढ़ाने के आयुर्वेद उपाय

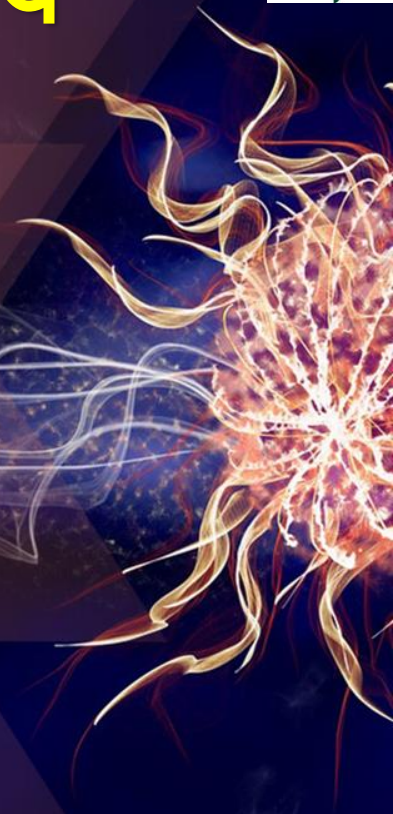
- कोरोना वायरस के प्रकोप के चलते, दुनिया भर में पूरी मानव जाति पीड़ित है। शरीर की प्राकृतिक रक्षा प्रणाली (प्रतिरक्षा) को बढ़ाना सम्पूर्ण स्वास्थ्य को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- हम सभी जानते हैं कि रोकथाम इलाज से बेहतर है। हालांकि अभी तक COVID-19 के लिए कोई दवा नहीं है, लेकिन निवारक उपाय करना अच्छा होगा जो आयुष मंत्रालय के अनुसार इस समय में हमारी प्रतिरक्षा को बढ़ाते हैं।



इम्युनिटी बढ़ाने के आयुर्वेदिक उपाय

- तुलसी, दालचीनी, काली मिर्च, शुंठी (सूखी अदरक) और मुनक्का (किशमिश) से बनी हर्बल चाय / काढ़ा दिन में एक या दो बार पिएं।
- यदि आवश्यक हो तो गुड़ और/या ताजे नींबू के रस को अपने स्वाद में शामिल करें

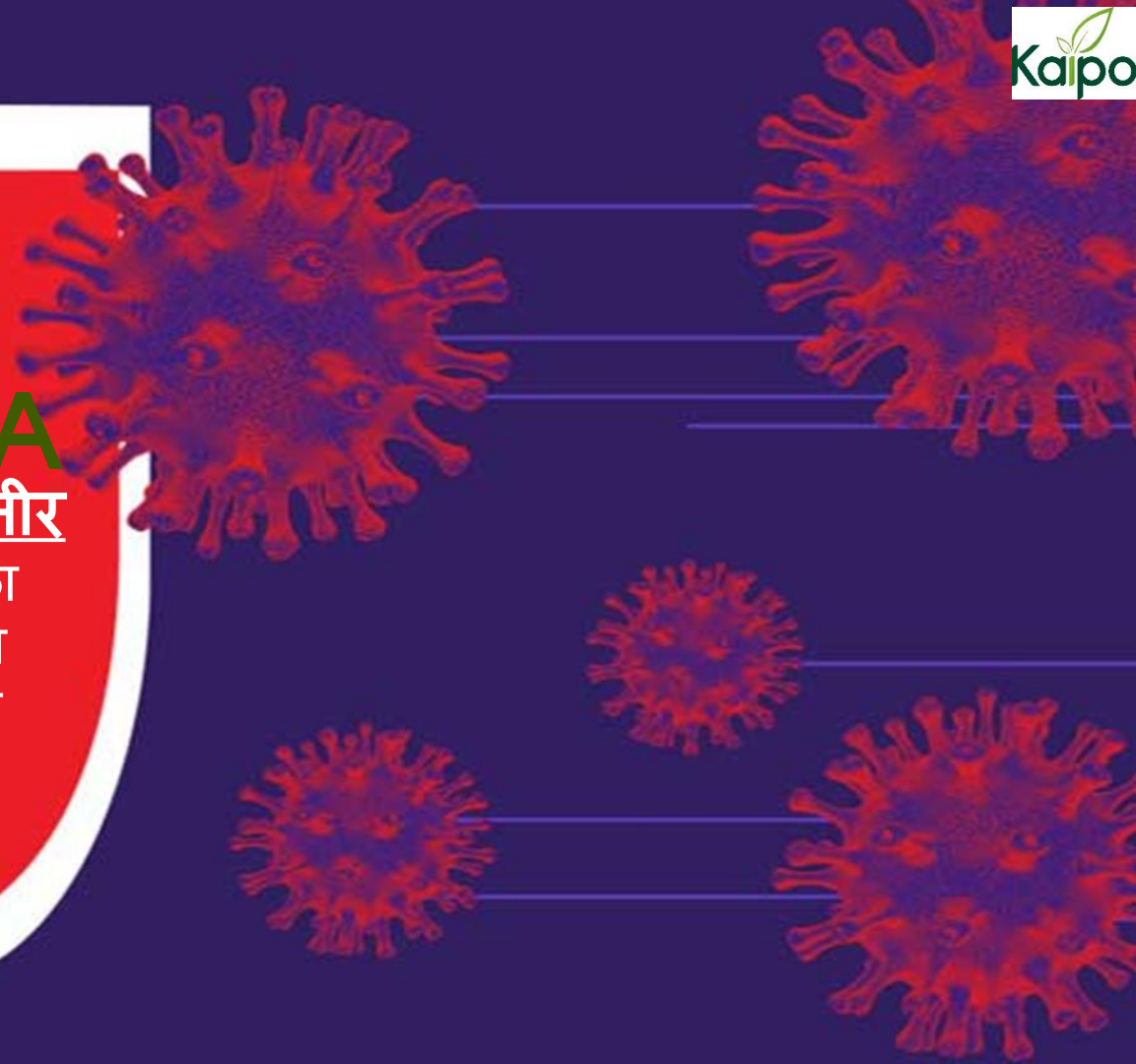
1. उपरोक्त उपायों का पालन किसी व्यक्ति की सुविधा के अनुसार किया जा सकता है ।
2. इन उपायों की सलाह देश भर के प्रख्यात वैद्यों द्वारा की जाती है क्योंकि संक्रमण के खिलाफ किसी व्यक्ति की प्रतिरक्षा को बढ़ाने में इनकी काफी सम्भावना है।



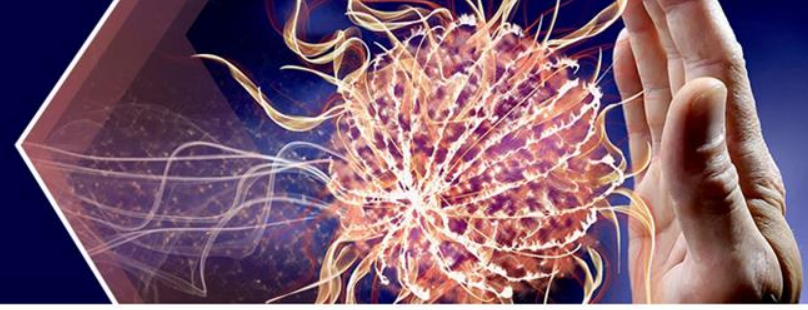


KEVA इम्म्युनीर

आपका
सुरक्षा
कवच



इम्युनीर



इसमें खांसी, सर्दी और संक्रमण को रोकने और आराम पहुँचाने के लिए प्राकृतिक एंटीबायोटिक और प्रतिरक्षा-बढ़ाने वाले गुण हैं। बहती नाक, गले में खराश, शरीर में दर्द और कमजोरी जैसे बीमारी के शुरुआती लक्षणों से राहत के लिए इसका सेवन किया जा सकता है।

इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं है और यह 100% प्राकृतिक है। अपने बेहतर स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए, इसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं।

KEVA

Kaipo

इसमें मौजूद हैं

तुलसी

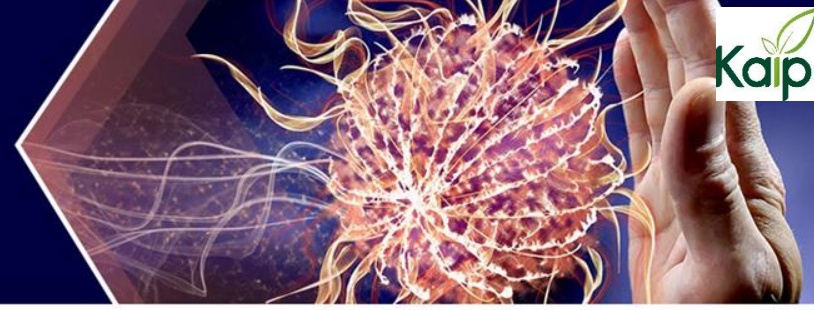
दालचीनी

शुंठी

कृष्णा
मारीच



तुलसी

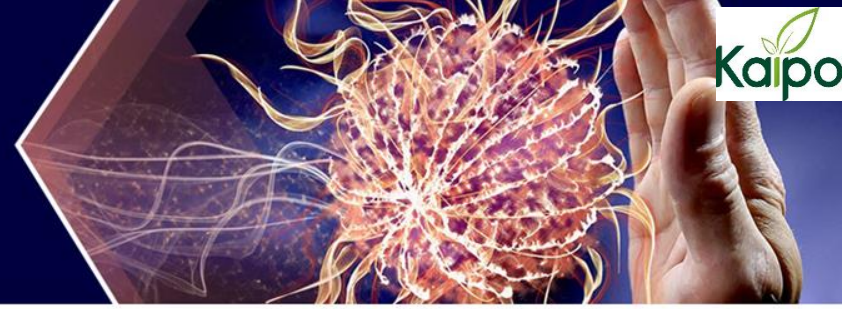


इस आसानी से उपलब्ध होने वाले पौधे की पत्तियां फाइटोन्यूट्रिएंट्स (जैसे कि एंटीऑक्सिडेंट, फ्लेवनॉल) क्लोरोफिल, विटामिन और खनिजों से भरपूर होती हैं, साथ ही इसमें यूजेनॉल भी होता है जो की एक बायोएक्टिव कंपाउंड है जिसमें एंटी-माइक्रोबियल, एंटी-फंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं और यह तनाव को और प्लाज्मा ग्लूकोज का स्तर भी कम करता है।

तुलसी उच्च एंटी-ऑक्सीडेंट, क्लीन्जर, एंटी-सेप्टिक, एंटी-बायोटिक और एंटी-मलेरिया है



दालचीनी



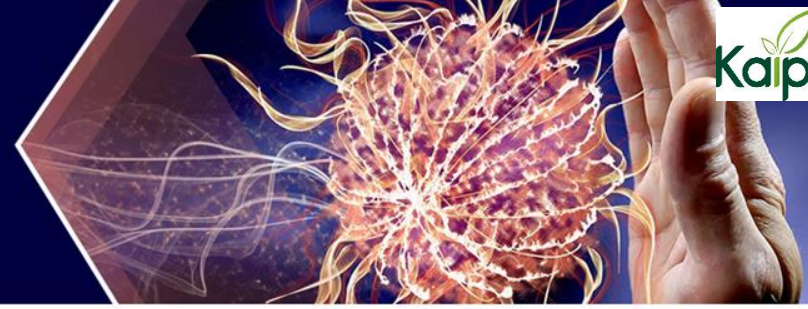
यह एंटीऑक्सिडेंट का एक बड़ा स्रोत है

दालचीनी एक प्रतिरक्षा उत्तेजक के रूप में जुकाम से लड़ने में आपकी मदद कर सकती है

यह रक्त प्लेटलेट को रोकने, सूजन वाले पदार्थों को रोकने और रक्त शर्करा को नियंत्रित करने में भी मदद कर सकता है

इसमें एंटीमाइक्रोबियल गुण होते हैं



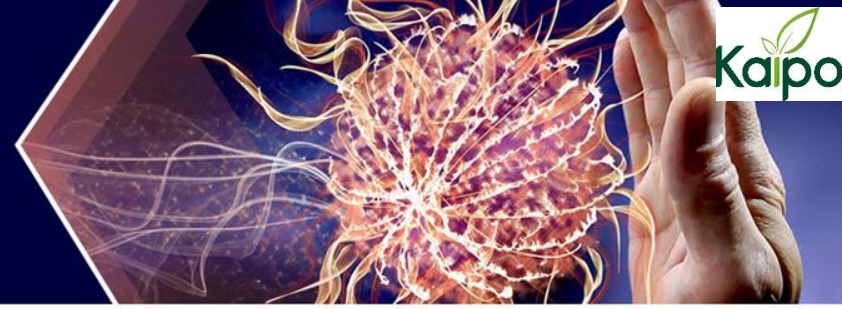


इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं और यह एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। इसके अलावा, यह प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाता है

यह पाचन में भी सहायक है, मोशन सिकनेस में मदद करता है, दर्द को कम करता है



कृष्णा मारीच- काली मिर्च



इसमें न केवल एंटी- इंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सिडेंट और जीवाणुरोधी क्रियाएं शामिल हैं, बल्कि प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाने वाले लाभ भी हैं

यह प्रोटीन के टूटने में मदद करके पाचन में सुधार करता है। मलाशय अनुकूल होने के कारण, यह बैक्टीरिया के विकास के खिलाफ इंटेस्टिनल ट्रैक्ट यानि आंत्र नाल को भी बचाता है



- एक मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली मनुष्यों के लिए संक्रमण से लड़ने और अत्यधिक संक्रामक रोगों के खतरे को कम करने के लिए सबसे बड़े लाभों में से एक है
- याद रखें, हाथ धोना और एक स्वस्थ प्रतिरक्षा प्रणाली, जीवन के लिए अहम हैं, न कि केवल कोरोनावायरस के लिए, इसलिए इन परिवर्तनों को अपने जिंदगी का हिस्सा बनाए रखने से आपको बेहतर जीवन जीने और स्वस्थ रहने का सबसे अच्छा मौका मिलेगा!



सेवन का तरीका

- 1-2 गोलियां गर्म पानी के साथ दिन में दो बार लें या जैसे आपका चिकित्सक सलाह दे

नोट- अपने दैनिक जीवन में इम्युनीर को जोड़ने के साथ-साथ पर्याप्त नींद और व्यायाम सुनिश्चित करें क्योंकि सभी कारक आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को प्रभावित करते हैं।



संपर्क करें

कीवा इंडस्ट्रीस

Website : www.kevaind.org

धन्यवाद
वन्दना